सेन्ट्रल जोन इंश्योरेन्स एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से सम्बद्ध)

प्रभांजलि, 33, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष : का. एन. चक्रवर्ती | **परिपत्र क्र. : 03/2016**

महासचिव : का. बी. सान्याल | **दिनांक : 20.02.2016**

मध्य क्षेत्र के समस्त बीमा कर्मियों के नाम

प्रिय साथियों,

विषय : क्षेत्रीय प्रबंधक के साथ CZIEA की सूचना सहभागिता सत्र सम्पन्न।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दिनांक 15 फरवरी 2016 को CZIEA की पूर्ण वार्ता समिति की मध्य क्षेत्रीय प्रबंधन के साथ सूचना सहभागिता सत्र सम्पन्न हुई। इस चर्चा में प्रबंधन की ओर से क्षेत्रीय प्रबंधक श्री के.एस. नागन्याल, श्री एम.के. राऊत, आंचलिक प्रबंधक (कार्मिक), श्रीमती सरिता गर्ग, आंचलिक प्रबंधक (का.से.), श्री राजेन्द्र कुमार, मुख्य अभियंता, सुश्री कृष्णा गुप्ता, सचिव (कार्मिक), श्री व्ही. अजगांवकर, सहायक सचिव (कार्मिक), श्री राजीव मल्होत्रा, सहायक सचिव (कार्मिक), श्री आर.सी. कटारिया (कार्मिक) उपस्थित थे। CZIEA की ओर से पूर्ण वाता समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे। इस वार्ता में CZIEA की पूर्ण वार्ता समिति का नेतृत्व महासचिव कर रहे थे।

इस चर्चा में CZIEA की ओर से मध्यक्षेत्र के विभिन्न मंडलों की समस्याओं पर चर्चा का सार निम्नानुसार है :-

1. जमीन एवं स्वयं के भवनों की आवश्यकता :

रायपुर : CZIEA ने मांग की कि, दन्तेवाड़ा में कार्यालय भवन का निर्माण कार्य काफी लम्बे समय से लंबित है इसे तत्काल प्रारंभ किया जाये। साथ ही पिछली चर्चा में हुई सहमति के आधार पर शाखा कार्यालय दन्तेवाड़ा को वर्तमान जर्जर भवन से नये भवन निर्माण तक अन्यत्र स्थानांतरित किया जाये। राजनांदगांव, सरायपाली, भिलाई-2 व धमतरी शाखा के लिये जमीन क्रय की जाये तथा शाखा सीएबी भिलाई का नये किराये के भवन में स्थानांतरण शीघ्र हो। मंडल कार्यालय रायपुर के भवन की पुताई का कार्य शीघ्र कराया जाये।

क्षेत्रीय प्रबंधन ने सूचित किया कि दंतेवाड़ा में भवन निर्माण का कार्य शुरू हो चुका था किन्तु वन विभाग की ओर से जमीन को लेकर कुछ आपत्तियां उठायी गई है जिसके कारण काम रूका है, इसके समाधान का प्रयास हो रहा है। प्रबंधन ने वर्तमान भवन के अन्यत्र स्थानांतरण पर सहमति जताई। प्रबंधन ने सूचित किया कि धमतरी शाखा के लिये जमीन का प्रयास जारी है। सीएबी भिलाई के भवन के लिये जल्द समाधान के प्रयास जारी है। अन्य स्थानों के लिये मंडल से प्रस्ताव आने पर विचार किया जायेगा। मंडल कार्यालय में सीपेज की समस्या का समाधान कर आधुनिकीकरण कार्य किया जाये।

जबलपुर : CZIEA ने मांग की कि, शाखा सिहोरा, बीना, सौंसर, सागर-2, सीएबी-सागर, नरसिंहपुर, कटनी-2 के लिये जमीन क्रय की जाये। मंडला शाखा में बाऊंड्रीवाल निर्माण को स्वीकृति दी जाये। मंडला व सागर-1 शाखा में पानी भरने की समस्या के चलते अपलिफ्टिंग के मंडल के प्रस्ताव को स्वीकृत किया जाये। मंडल कार्यालय भवन के बाहरी दीवार के पुनर्निर्माण के मंडल के प्रस्ताव को स्वीकृति दी जाये। डीबीओ-1 एवं जिला शाखा में लंबित कार्य व मनोरंजन क्लब का फ्लोरिंग कार्य शीघ्र किया जाये।

प्रबंधन ने सूचित किया कि सागर में जमीन के लिये पहल हुई है किन्तु उपलब्ध भूमि का क्षेत्रफल हमारी आवश्यकता से कहीं अधिक है, अत: गृह निर्माण मंडल से आवश्यकतानुसार क्षेत्रफल की जमीन के लिये प्रयास जारी है। मंडला में काम प्रारंभ हो गया है। सागर के काम के लिये भी जल्द निविदा जारी की जानी है। मंडल कार्यालय के बाहरी दीवाल के पुनर्निर्माण के लिये चर्चा जारी है। डीबीओ शाखा की समस्याओं का परीक्षण किया जायेगा।

शहडोल : CZIEA ने मांग की कि, उमरिया, सूरजपुर, सीएबी-शहडोल एवं शहडोल शाखा कार्यालयों के लिये जमीन क्रय कर भवन निर्माण की प्रक्रिया को गति प्रदान किया जाये। मंडल कार्यालय भवन निर्माण की प्रक्रिया में गति प्रदान की जाये।

क्षेत्रीय प्रबंधन ने सूचित किया कि मंडल कार्यालय भवन निर्माण हेतु निविदा जारी करने का प्रस्ताव स्वीकृति के लिये केन्द्रीय कार्यालय को प्रेषित किया गया है। अन्य शाखाओं के लिये मंडल से आने पर विचार किया जायेगा।

भोपाल : CZIEA ने मांग की कि, गंज बसौदा, शुजालपुर, रायसेन,

होशंगाबाद, बैरागढ़ एवं बैतूल शाखा कार्यालयों के लिये जमीन क्रय की जाये। सरकारी जमीन की अनुपलब्धता पर निजी जमीन क्रय करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाये। लम्बे समय से की जा रही मांग के अनुरूप, गंजबसौदा व रायसेन के वर्तमान कार्यालय भवन को किसी नये भवन में स्थानांतरित किया जाये। भोपाल शाखा क्र.-1 के आधुनिकीकरण के बाद से उपजी समस्याओं का अब तक समाधान नहीं हुआ है। विगत कई चर्चाओं के बाद भी चूंकि स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है अत: शाखा भवन के अन्यत्र स्थानांतरण के निर्णय पर अमल किया जाये। भेल शाखा में स्थानाभाव के चलते प्रथम तल पर निर्माण के आश्वासन पर अमल किया जाये। मंडल कार्यालय भोपाल के स्थानाभाव की समस्या के स्थायी समाधान हेतु एक और तल निर्माण पर शीघ्र निर्णय लिया जाये।

प्रबंधन ने सूचित किया कि भोपाल मंडल से संबंधित शाखाओं के लिये जमीन क्रय किये जाने के प्रस्ताव आने पर उचित विचार किया जायेगा। प्रबंधन ने गंजबसौदा व रायसेन के शाखा भवन के अन्यत्र स्थानांतरण पर सहमति व्यक्त की। शाखा क्र.-1 भोपाल की समस्याओं के मद्देनजर इसे अन्यत्र स्थानांतरित कर वर्तमान भवन के अन्य प्रयोजन के लिये उपयोग के संबंध में केन्द्रीय कार्यालय स्तर पर उचित पहल का प्रबंधन ने आश्वासन दिया। प्रबंधन ने भेल शाखा के स्थानाभाव का परीक्षण कर समाधान के लिये पहल का आश्वासन दिया। प्रबंधन ने मंडल कार्यालय के स्थानाभाव की समस्या को दूर करने जल्द ही वहां से पेंशन व समूह बीमा शाखाओं को क्षेत्रीय कार्यालय परिसर स्थानांतरित करने की जानकारी दी। प्रबंधन ने मंडल कार्यालय में आपातकालीन द्वार की व्यवस्था का भी आश्वासन दिया।

सतना : CZIEA ने मांग की कि, मंडल कार्यालय भवन तथा उसके लिये एप्रोच रोड निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाये। सतना मंडल के शेष अन्य शाखाओं के लिये स्वयं के भवन हेतु जमीन क्रय की जाये और शाखा क्रमांक-एक को अन्य भवन में स्थानांतरित किया जाये।

प्रबंधन ने सूचित किया कि मंडल कार्यालय भवन निर्माण स्थल के लिये एप्रोच रोड के लिये मंडल कार्यालय को प्रारंभिक निवेश कर पहल के लिये कहा गया है और इसके बाद संबंधित सड़क के साथ भवन निर्माण कार्य के लिये केन्द्रीय कार्यालय से स्वीकृति के लिये प्रयास करने पहल करने का आश्वासन दिया। प्रबंधन ने अन्य शाखा हेतु मंडल से जमीन के प्रस्ताव आने पर उचित पहल का भरोसा दिलाया।

बिलासपुर : CZIEA ने मांग की कि, शाखा रायगढ़, नैला, भाटापारा एवं पत्थलगांव के लिये जमीन क्रय की जाये। शाखा कार्यालय-1 के महिला कामन रूम का विस्तार किया जाये।

प्रबंधन ने सूचित किया कि रायगढ़ शाखा भवन हेतु आये जमीन के प्रस्ताव का परीक्षण किया जायेगा। प्रबंधन ने शाखा क्र.-1 महिला कामन रूम का समाधान मंडल स्तर पर कराये जाने का आग्रह किया।

ग्वालियर : CZIEA ने मांग की कि, ग्वालियर मंडल में गुना व शाखा क्रमांक-1 के भवनों को छोड़कर अन्य सभी शाखायें किराये के भवनों में संचालित है। इस दौरान लम्बे समय से प्रयास के बावजूद वहां किसी शाखा हेतु जमीन क्रय नहीं की गई अत: ग्वालियर मंडल में निजी भवनों में संचालित शाखाओं के स्वयं के भवन हेतु जमीन क्रय की जाये। मंडल कार्यालय में स्थानाभाव की समस्या को दूर करने तीसरी मंजिल का निर्माण कार्य कराया जाये तथा ग्वालियर शाखा क्र.-2 को वर्तमान भवन से अन्यत्र स्थानांतरित किया जाये व शाखा क्र.-4 में उचित पार्किंग की व्यवस्था की जाये।

प्रबंधन ने सूचित किया कि शाखा भवनों हेतु जमीन का मंडल से प्रस्ताव आने पर विचार किया जायेगा। शाखा क्र.-2 का अन्यत्र स्थानांतरण किया जायेगा।

इंदौर : CZIEA ने मांग की कि, कन्नौद, बडनगर शाखा हेतु जमीन क्रय की जाये।

प्रबंधन ने सूचित किया कि संबंधित शाखाओं हेतु जमीन का मंडल से प्रस्ताव आने पर विचार किया जायागे।

2. कर्मचारी आवास निर्माण :

इस संबंध में CZIEA ने निम्न मांग की :-

शहडोल : शाखा कार्यालय चिरमिरी के स्टाफ क्वार्टर के मामले में किसी अन्य स्थान पर छत्तीसगढ़ में खरीदी गई सरकारी जमीन का दस्तावेज क्षेत्रीय कार्यालय को शीघ्र उपलब्ध कराया जाये ताकि इस आधार पर इस मामले में आगे बढ़ा जा सके।

प्रबंधन ने सूचित किया कि चिरमिरी में जमीन का वर्तमान में कोई भी प्रस्ताव नहीं आया है।

रायपुर : दन्तेवाड़ा में कर्मचारी एवं अधिकारियों हेतु आवास गृह का निर्माण शाखा भवन के साथ ही जल्द प्रारंभ किया जाये। भिलाई के आवास गृहों की पुताई शीघ्र कराई जाये।

प्रबंधन ने सूचित किया कि दंतेवाड़ा में निर्माण कार्य में वन विभाग की आपत्ति के समाधान का प्रयास जारी है।

बिलासपुर : कोरबा में स्थित कर्मचारी आवास गृह जर्जर हालत में है तथा बाऊंड्रीवाल भी टूटा हुआ है इसे दुरूस्त करने तत्काल सुधार कार्य प्रारंभ किया जाये।

प्रबंधन ने जल्द ही कोरबा में एक इंजीनियर भेजकर परीक्षण करने तथा उस अनुरूप समस्या को दूर करने कार्यवाही का आश्वासन दिया।

3. निरीक्षण एवं अतिथि गृह की समस्या :

भोपाल : CZIEA ने मांग की कि, सिहोर में इसकी सुविधा प्रदान की जाये। भोपाल में इमामी गेस्ट हाऊस की सुविधायें बढ़ायी जाये या उसी

क्षेत्र में किसी नये व पर्याप्त स्थान वाले क्षेत्र में उसे स्थानांतरित किया जाये।

प्रबंधन ने भोपाल स्थित इमामी गेस्ट हाऊस में बुनियादी सुविधायें दुरूस्त करने का आश्वासन दिया।

इंदौर : इंदौर में अतिथि गृह के कमरों में वृद्धि की जाये।

प्रबंधन ने वर्तमान में इस पर असमर्थता व्यक्त की।

सतना : टीकमगढ़ के अतिथि गृह का विस्तार किया जाये। निवारी शाखा में निरीक्षण कक्ष उपलब्ध कराया जाये।

प्रबंधन ने टीकमगढ़ व निवारी के मामले में मंडल प्रबंधन से प्रस्ताव आने पर विचार का आश्वासन दिया।

बिलासपुर : मंडल कार्यालय बिलासपुर के निर्माणाधीन भवन में सामान्य अतिथि गृह की व्यवस्था की जाय।

प्रबंधन ने सूचित किया कि मंडल स्तर पर ही इसका निर्णय लिया जा सकता है।

4. आधुनिकीकरण एवं उनसे संबंधित समस्या :

CZIEA ने मध्य क्षेत्र में विभिन्न मंडलों में इससे संबंधित निम्न समस्याओं की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुये उनके समाधान की मांग की।

शहडोल : शाखा कार्यालय सीधी एवं मनेन्द्रगढ़ में स्पिलट ए.सी. का प्रस्ताव अब तक लंबित है।

प्रबंधन ने इसका परीक्षण करने का आश्वासन दिया।

सतना : खजुराहो, छतरपुर एवं टीकमगढ़ शाखा में वातानुकूल की व्यवस्था की जाय। रीवा-2 के आधुनिकीकरण का कार्य ए.सी. सहित शीघ्र किया जाये।

प्रबंधन ने संबंधित शाखाओं के वातानुकूल पर सैद्धांतिक सहमति देते हुये संबंधित प्रस्ताव मंडल से भी प्रेषित किये जाने की पहल हेतु कहा। रीवा-2 के आधुनिकीकरण पर प्रबंधन ने सहमति दी।

इंदौर : इंदौर मंडल के सभी आधुनिकीकृत शाखाओं में ए.सी. की व्यवस्था की जाये। इंदौर-सीएबी तथा समूह बीमा शाखा 10 सालों से आधुनिकीकृत है बावजूद इनमें ए.सी. नहीं है।

प्रबंधन ने इस पर सैद्धांतिक सहमति व्यक्त करते हुये मंडल से संबंधित प्रस्ताव भेजे जाने की पहल का आग्रह किया तथा बजट की उपलब्धता के आधार पर एक के बाद एक इसे करने की सहमति जाहिर की।

रायपुर : मंडल कार्यालय रायपुर, धमतरी, राजनांदगांव, भिलाई-1 व समूह बीमा शाखा रायपुर का लंबित आधुनिकीकरण का कार्य प्रारंभ किया जाये।

प्रबंधन ने इंजीनियरिंग विभाग से मंडल कार्यालय में सीपेज की समस्या का जल्द समाधान कर आधुनिकीकरण हेतु शीघ्र पहल करने हेतु निर्देशित किया। प्रबंधन ने सूचित किया कि भिलाई-1 में आधुनिकीकरण का कार्य प्रारंभ हो गया है तथा अन्य शाखाओं के मामले में बजट की उपलब्धता के आधार पर एक के बाद एक कार्य किया जायेगा।

भोपाल : सभी आधुनिकीकृत शाखाओं में ए.सी. की व्यवस्था की जाये। क्षेत्रीय कार्यालय के कुछ विभागों विधिक/निरीक्षण में आधुनिकीकरण सही नहीं हुआ है जिसे सुधारा जाये तथा भोपाल-3 के भवन का तुरंत आधुनिकीरण किया जाये।

प्रबंधन ने क्षेत्रीय कार्यालय के विधिक/निरीक्षण विभाग के समस्या के समाधान पर विचार का आश्वासन दिया। शाखा क्र.-3 के आधुनिकीकरण पर सहमति व्यक्त की।

बिलासपुर : शाखा इकाई रायगढ़ में आधुनिकीकरण किया गया है किन्तु कम क्षमतायुक्त जनरेटर लगा है अत: नया डिजीटल उच्च क्षमता युक्त जनरेटर प्रदान किया जाये।

प्रबंधन ने सूचित किया कि मंडल स्तर पर ही इसका निर्णय लिया जा सकता है।

ग्वालियर : शाखाओं में मेंटनेंस की व्यवस्था अत्यंत ही लचर है इसे तुरंत दुरूस्त किया जाये। ए.सी. मुख्य रूप से गर्मियों में खराब ही रहते हैं, मुरार व गुना शाखा के ए.सी. लम्बे समय से खराब पड़े हैं जिसे अविलंब दुरूस्त कराया जाये।

प्रबंधन ने सूचित किया कि ए.सी. के देखभाल के लिये मंडल स्तर पर ही एजेंसी है।अन्य शाखाओं के प्रस्तावों का परीक्षण किया जायेगा।

5. कम्प्यूटर एवं स्टेशनरी संबंधित समस्या :

CZIEA ने सभी कर्मचारियों तक पर्याप्त संख्या में कम्प्यूटर व प्रिन्टर उपलब्ध कराये जाने की मांग की।

प्रबंधन ने इस संबंध में केन्द्रीय कार्यालय के स्तर पर पहल का आश्वासन दिया।

6. एच.एफ.एल./गृह निर्माण ऋण से संबंधित समस्यायें :

CZIEA ने मांग की कि इस संबंध में विभिन्न मंडलों में व्याप्त समस्याओं तथा सब्सिडी के लंबित मामलों का सार्थक समाधान किया जाये ताकि गृह निर्माण ऋण के मामले में दी जा रही सब्सिडियों का लाभ कर्मचारियों को प्राप्त हो सके।

प्रबंधन ने इसके समाधान का आश्वासन दिया। CZIEA की ओर से अलग-अलग मंडलों के लंबित मामलों के संबंधित साथियों की सूची नाम सहित क्षेत्रीय कार्यालय को उपलब्ध करायी जायेगी। प्रबंधन ने उसका सम्पूर्ण परीक्षण कर शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

7. अन्य मुद्दे :

1. CZIEA ने मांग की कि, सभी मंडल एवं शाखा कार्यालयों में उचित क्षमता वाले ध्वनि रहित जनरेटर की व्यवस्था की जाये।

प्रबंधन ने सूचित किया कि इस पर मंडल स्तर पर ही निर्णय लिया जा सकता है। CZIEA के आग्रह पर प्रबंधन ने सभी मंडलों को इस हेतु पुन: पत्र लिखने का आश्वासन दिया।

2. शाखाओं में सुरक्षा व्यवस्था – CZIEA ने मांग की कि, मध्य क्षेत्र के सभी मंडलों की समस्त शाखाओं में नियमित रूप से सशस्त्र गार्ड उपलब्ध कराया जाये।

प्रबंधन ने सूचित किया कि मंडल स्तर पर ही इसका निर्णय लिया जा सकता है।

3. CZIEA ने मांग की कि समस्त शाखाओं में पेयजल हेतु आर.ओ. सिस्टम की व्यवस्था की जाये।

प्रबंधन ने सूचित किया कि इस पर मंडल स्तर पर पहल की जाये।

4. CZIEA ने मांग की कि, नकली नोट की जांच एवं नोट गणना हेतु नवीन तकनीक की मशीन मंडल/शाखाओं को उपलब्ध कराई जाये।

प्रबंधन ने सूचित किया कि इस मामले का भी मंडल स्तर पर निर्णय लिया जा सकता है।

5. CZIEA ने मांग की कि, भोपाल में नियमित स्वास्थ्य जांच की सुविधा हेतु अस्पताल पंजीकृत किये जायें। टीपीए को भेजे गये दावों की स्टेटस इन्ट्रानेट पर कर्मचारियों को उपलब्ध कराई जाये एवं ईडीएमएस के कर्मचारियों व अधिकारियों के लिये इन्ट्रानेट सुविधा उपलब्ध कराई जाये।

प्रबंधन ने सूचित किया कि भोपाल में बंसल अस्पताल को भी शामिल कर लिया गया है। प्रबंधन ने मेडिक्लेम में वस्तुस्थिति अवगत कराने के संबंध में चर्चा करने का आश्वासन दिया। प्रबंधन ने ईडीएमएस कर्मचारियों को इन्ट्रानेट सुविधा के संबंध में केन्द्रीय स्तर पर चर्चा का भरोसा दिलाया।

6. CZIEA ने मांग की कि, मंडल कार्यालय जबलपुर की श्रीमती सुमन अग्रवाल, शहडोल मंडल के शाखा कार्यालय ब्यौहारी के स्व. लोकेश नट, उच्च श्रेणी सहायक की पत्नि की अनुकम्पा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निपटारा किया जाये।

प्रबंधन ने सूचित किया कि इन प्रकरणों को केन्द्रीय कार्यालय को प्रेषित किया गया है।

7. CZIEA ने मांग की कि, ग्वालियर मंडल में आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों के खिलाफ शिकायतों का अम्बार लग गया है जिसमें अधिकांश संदिग्ध, बोगस व बेनामी होते हैं अत: पहले शिकायतकर्ता की जांच होने के बाद ही कर्मचारी के खिलाफ जांच की कार्यवाही की जाये।

प्रबंधन ने सूचित किया कि विजिलेंस या केन्द्रीय कार्यालय से जांच निर्देशित होने पर ही यह की जा रही है।

8. CZIEA ने मांग की कि, श्री अंकित त्रिपाठी, छतरपुर शाखा व जबलपुर मंडल के संदीप राजपूत, उमेश नंदनवार, श्रीमती प्रीति गांधी एवं एस.के. गौतम के लंबित टैक्नीकल एलाउंस का भुगतान परिपत्र दिनांक 28.01.2015 के अनुरूप किया जाये।

प्रबंधन ने सूचित किया कि इन प्रकरणों पर उचित जानकारी मांगी गई है।

9. CZIEA ने मांग की कि, एम.बी.ए. के संबंध में केन्द्रीय कार्यालय के परिपत्र दिनांक 28.1.2015 को लागू कर सतना मंडल में 14.3.2013 के पूर्व दिये जा रहे एम.बी.ए. भत्ता को बहाल किया जाए।

प्रबंधन ने सूचित किया कि इस संबंध में CZIEA द्वारा प्रेषित पत्र को केन्द्रीय कार्यालय को प्रेषित किया जायेगी।

10. CZIEA ने शहडोल मंडल में विजिलेंस प्रकरण में जांच प्रक्रिया एकतरफा चलाई जा रही है तथा आरोपित कर्मचारी को किसी भी प्रकार का दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है और न ही कोई सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

प्रबंधन ने सूचित किया कि जो दस्तावेज उपलब्ध है वह प्रदान की जायेगी।

11. CZIEA ने मांग की कि, अखिल भारतीय व्हालीबाल टीम के चयन में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाये।

प्रबंधन ने आश्वस्त किया कि टीम की पूरी चयन सूची एक साथ घोषित की जायेगी।

CZIEA की ओर से इसके अलावा कर्मचारियों से संबंधित कुछ व्यक्तिगत मामलों पर भी प्रबंधन से अलग से चर्चा की गई।

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ,

आपका साथी

(बी. सान्याल)

महासचिव

मुद्रक : एक्सेल ऑफसेट प्रिन्टर्स, फूल चौक, रायपुर (छ.ग.) दूरभाष : 0771-4053295

सेन्ट्रल जोन इंश्योरेन्स एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से सम्बद्ध)

प्रभांजलि, 33, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष : का. एन. चक्रवर्ती | परिपत्र क्र. : 02/2016

महासचिव : का. बी. सान्याल | दिनांक : 20.02.2016

मध्य क्षेत्र के समस्त बीमा कर्मियों के नाम

प्रिय साथियों,

विषय : CZIEA सचिव मंडल की बैठक सम्पन्न।

दिनांक 14 फरवरी 2016 को CZIEA सचिव मंडल की बैठक का. एम.के. जायसवाल की अध्यक्षता में भोपाल में सम्पन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेता का. ए.बी. वर्धन, नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री सुशील कोइराला, साथी रोहित वेमुला, दादरी में मारे गये मो. अखलाक, प्रो. एम.ए. कलबुर्गी, पठानकोट बम धमाके में मृत जवानों, कार्टूनिस्ट सुधीर तैलंग सहित जनवादी आन्दोलन की हिफाजत में मृत दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस बैठक में CZIEA की विगत सतना कार्यकारिणी समिति की बैठक के निर्णयों पर अमल की समीक्षा के साथ ही उक्त बैठक के बाद से दुनिया, देश, उद्योग व संगठन के स्तर पर आये परिवर्तनों का विस्तृत विश्लेषण करने के पश्चात विभिन्न विषयों पर निम्न निर्णय लिये गये।

शानदार वेतन पुनर्निर्धारण की बधाई : दस दिवस में लेव्ही एकत्रीकरण का लक्ष्य पूर्ण करो

सचिव मंडल ने इस अवधि में AIIEA कार्यकारिणी व CZIEA कार्यकारिणी समिति के निर्णयों के अनुरूप मध्य क्षेत्र में वेतन पुनर्निर्धारण के सवाल पर चलाये गये शानदार संघर्ष के लिये साथियों को बधाई दी। AIIEA के बेहतरीन कौशल के चलते बीमा उद्योग में सभी श्रेणी के कर्मचारी-अधिकारी संगठन की अभूतपूर्व एकताबद्ध संघर्ष का ही प्रतिफल है कि मेहनतकशों के लिहाज से अब तक की सर्वाधिक मेहनतकश विरोधी व प्रतिक्रियावादी वर्तमान केन्द्र सरकार के द्वारा उत्पन्न की गई सभी बाधाओं व हमारे आसपास अन्य उद्योगों के नकारात्मक घटनाओं के बावजूद मूल वेतन पर 13.5 प्रतिशत लोडिंग के साथ यह ऐतिहासिक वेतन पुनर्निर्धारण प्राप्त करने में हमने सफलता हासिल की। यही नहीं 16-17 अक्टूबर के प्रबंधकीय प्रस्तावों में भी अनेक सुधार के साथ यह वेतन पुनर्निर्धारण हमें प्राप्त हुआ है। सचिव मंडल ने इस ऐतिहासिक जीत के लिये AIIEA के साथ-साथ समस्त बीमा कर्मियों को क्रांतिकारी बधाई प्रेषित की।

सचिव मंडल ने AIIEA के आह्वान के अनुरूप नोटिफिकेशन व प्रशासकीय आदेश जारी होने के तुरंत बाद अल्पावधि में ही एरियर्स भुगतान के बाद लेव्ही एकत्रीकरण की स्थिति की भी समीक्षा की। सचिव मंडल ने नोट किया कि इस कार्य में भी सभी मंडलों में अधिकतम राशि एकत्रित हो गई है। अनेक स्थानों पर साथियों ने स्वस्फूर्त लेव्ही का भी भुगतान किया। लेकिन अभी भी कुछ स्थानों पर कुछ साथियों से लेव्ही की राशि एकत्र करना शेष है। सचिव मंडल ने विश्वास व्यक्त किया कि ऐसे बचे हुये सभी साथी भी तत्काल ही लेव्ही की राशि जमा कर देंगे। सचिव मंडल ने सभी इकाईयों से हर हाल में फरवरी अंत तक शत-प्रतिशत लेव्ही के लक्ष्य को पूर्ण करने का आह्वान किया। सचिव मंडल ने साथ ही AIIEA के आह्वान के अनुरूप वेतन पुनर्निर्धारण की इस ऐतिहासिक उपलब्धि को संगठन में तब्दील करने का आह्वान किया।

2 सितम्बर की सफल हड़ताल के लिये बधाई : नवउदारवादी नीतियों व साम्प्रदायिकता के खिलाफ संघर्ष जारी रखो

सचिव मंडल ने CZIEA कार्यकारिणी समिति के निर्णय के अनुरूप केन्द्र सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों के खिलाफ 2 सितम्बर 2015 की देशव्यापी हड़ताल को मध्यक्षेत्र में शानदार ढंग से सफल बनाने के लिये CZIEA की ओर से सभी साथियों का अभिनंदन किया। सचिव मंडल ने इस हड़ताल में 90 प्रतिशत से अधिक भागीदारी के लिये रायपुर, शहडोल, सतना मंडल के साथियों को विशेष रूप से बधाई दी। उल्लेखनीय है कि इस हड़ताल के पूर्व मध्य क्षेत्र में मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में राज्य स्तरीय कन्वेंशन के साथ ही अनेक जिला व आंचलिक केन्द्रों में संयुक्त सम्मेलन हुये। CZIEA के आह्वान पर अनेक नुक्कड़ सभायें की गई, जत्थे निकाले गये, लाखों पर्चों का वितरण किया गया। हड़ताल के दिन हजारों की संख्या में रैलियां आयोजित की गई।

पूरे देश में यह हड़ताल अभूतपूर्व रूप से सफल रही। हड़ताल के कुछ दिनों पूर्व ही प्रधानमंत्री व मंत्रिमंडलीय समूह ने भी ट्रेड यूनियन नेताओं के साथ बैठक कर 12 सूत्रीय मांगों पर बिना किसी ठोस आश्वासन के सरकार की गंभीरता का भ्रम पैदा किया गया। हड़ताल के कुछ समय पूर्व ही बीएमएस ने हड़ताल वापस ले लिया बावजूद इसके 15 करोड़ से अधिक श्रमिकों ने इस अभूतपूर्व हड़ताल में हिस्सेदारी की।

सचिव मंडल ने इस दौरान केन्द्र सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में FDI की छूट के साथ ही नवउदारवादी नीतियों को विध्वंसक ढंग से सभी क्षेत्रों में लागू किये जाने का पुरजोर विरोध करते हुये केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों की 17 जनवरी की बैठक में 10 मार्च को आयोजित देशव्यापी प्रतिरोध दिवस व उसके बाद दिल्ली में अखिल भारतीय कन्वेंशन आयोजित करने के फैसलों को सफल बनाने का आह्वान किया। सचिव मंडल ने साथ ही नवउदारवादी नीतियों के खिलाफ अभियान को जनअभियान के रूप में जारी रखकर मेहनतकशों के अलग-अलग हिस्सों के संघर्षों को एकजुट

करने में भी बीमा कर्मियों से अपनी भूमिका सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

सचिव मंडल ने आर्थिक मोर्चे पर वर्तमान सरकार की विफलता और चुनाव के दौरान किये गये तमाम वादों के राजनैतिक जुमले में बदल जाने की रौशनी में देशभर में असहिष्णु वातावरण पैदा करने की कोशिशों, दादरी में हुई जघन्य घटना, हैदराबाद केन्द्रीय वि.वि. में दलित छात्र रोहित वेमूला की मौत व जे.एन.यू. में कन्हैया के साथ हुई घटना और उसके बाद देश में अंध राष्ट्रवाद व साम्प्रदायिक मुहिम को इसी अनुरूप देखने पर जोर दिया। सचिव मंडल का यह दृढ़ मत था कि इस समूची मुहिम का मूल उद्देश्य ही सरकार की आक्रामक नवउदार, मजदूर-श्रमिक-कर्मचारी व आम जनविरोधी तथा पूंजीपति परस्त नीतियों के खिलाफ श्रमिक वर्ग की सुदृढ़ होती एकताबद्ध संघर्ष की धार को बोथा बनाना है। सचिव मंडल ने इसलिये इस पूरी मुहिम के खिलाफ बीमा कर्मियों व आम जनों के बीच वैचारिक अभियान को सतत् रूप से जारी रखने का आह्वान किया। सचिव मंडल का यह भी मत था कि इस अभियान में भारत के लिये लोग मंच को सक्रिय किया जाय।

राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग की हिफाजत में अभियान : सर्विस टैक्स के खिलाफ सांसद को सौपों ज्ञापन

राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग ने 1 सितम्बर को हीरक जयंती में प्रवेश किया। तमाम विपरीत आर्थिक हालातों में भी बीमा उद्योग का अब तक का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। सचिव मंडल ने बीमा कानून संशोधन कानून के जरिये बीमा उद्योग में FDI की सीमा 26 प्रतिशत से बढ़ाकर 49 प्रतिशत किये जाने के बाद उपजी चुनौतियों की रौशनी में राष्ट्रीयकृत बीमा उद्योग की हिफाजत व उसकी निरन्तर प्रगति जारी रखने सम्पूर्ण शक्ति के साथ अपना अभियान जारी रखने का आह्वान किया। सचिव मंडल ने इस परिप्रेक्ष्य में संसद के वर्तमान सत्र के पूर्व या इसके दौरान ही बीमा प्रीमियम पर सेवा कर (सर्विस टैक्स) समाप्त किये जाने की मांग को लेकर जल्द से जल्द अपने-अपने क्षेत्रों के सांसदों को तत्काल ज्ञापन सौंपने और इस अभियान में विक्रय-वाहिनी, अभिकर्ता, बीमाधारकों को भी जोड़ने का आह्वान किया।

महिला आरक्षण के सवाल पर आनलाईन याचिका :

जैसा कि आपको विदित है AIIEA कार्यकारिणी समिति की बैठक के पूर्व भुवनेश्वर में आयोजित तृतीय अखिल भारतीय कामकाजी महिला सम्मेलन ने यह निर्णय लिया था कि संसद व विधायिका में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण के लंबित विधेयक को पारित करने आनलाईन याचिका का अभियान चलाया जायेगा। AIIEA की ओर से इस याचिका पर देशव्यापी अभियान जारी है। सचिव मंडल ने मध्यक्षेत्र में भी इस अभियान को व्यापक रूप से संचालित करने प्रत्येक स्तर पर ठोस संगठनात्मक कदम उठाने व सभी स्तर पर इस हेतु किसी साथी की विशेष जिम्मेदारी सुनिश्चित करने तत्काल ठोस पहल करने का आह्वान किया।

आन्दोलन की खबर व इंश्योरेन्स वर्कर :

आन्दोलन की खबर व इंश्योरेन्स वर्कर के नवीनीकरण की स्थिति की भी समीक्षा की। सचिव मंडल ने आन्दोलन की खबर की सदस्यता नवीनीकरण के मामले कुछ इकाईयों में कमजोरियों को भी नोट किया। सचिव मंडल का मत है कि आने वाले दिनों में निर्धारित समय पर ही नवीनीकरण के कार्य को पूर्ण किया जाय। सचिव मंडल ने साथ ही जिन इकाईयों से नवीनीकरण की राशि अब तक प्राप्त नहीं हुई है 29 फरवरी तक हर हाल में यह CZIEA मुख्यालय प्रेषित किये जाने का निर्णय लिया। सचिव मंडल ने इंश्योरेन्स वर्कर की सदस्यता नवीनीकरण का कार्य भी निर्धारित समय पर किये जाने पर जोर दिया।

चैन्नई बाढ़ सहायता :

जैसा कि आपको विदित है इस दौरान चैन्नई में बाढ़ ने भारी तबाही मचाई। AIIEA के SZIEF के साथियों ने पीड़ित मानवता के सहायतार्थ जबर्दस्त सहयोग अभियान चलाया। CZIEA की सभी मंडलीय इकाईयों व CZIEA मुख्यालय सहित इस मद में कुल 1,02,000 रू. की राशि बाढ़ प्रभावितों के लिये SZIEF को CZIEA की ओर से प्रेषित की गई।

स्पोर्ट्स पालिसी :

बैठक में LIC द्वारा खेल नीति में किये जा रहे प्रतिगामी परिवर्तनों पर भी चर्चा कर इस पर प्रबंधन को पत्र लिखने का निर्णय लिया गया।

CZIEA का आगामी अधिवेशन :

सचिव मंडल ने बिलासपुर में आयोजित होने जा रहे CZIEA के आगामी 9वें महाधिवेशन (रजत जयंती सम्मेलन) के लिये संभावित 20 से 23 नवम्बर 2016 की तिथि का भी निर्धारण किया। उल्लेखनीय है कि बिलासपुर डिवीजन इंश्योरेन्स एम्पलाईज एसोसियेशन (BDIEA) ने इस सम्मेलन के आयोजन का दायित्व लिया है और वहां इस आयोजन के लिये BDIEA के समस्त साथी पूरी शक्ति से जुटे हैं। सचिव मंडल ने बैठक में 15 फरवरी को क्षेत्रीय प्रबंधन के साथ सम्पन्न चर्चा के मुद्दों को भी अंतिम रूप दिया।

मध्य क्षेत्रीय कार्यालय में विशाल आमसभा :

दिनांक 15 फरवरी 2016 को मध्य क्षेत्रीय कार्यालय में इस दौरान कर्मचारियों की एक विशाल आमसभा भी आयोजित की गई। इस आमसभा को CZIEA के महासचिव ने संबोधित किया। सभास्थल पर ही BDIEA की ओर से लेव्ही की एकत्रित राशि में से AIIEA व CZIEA को देय राशि की प्रथम किश्त का चेक साथियों ने CZIEA महासचिव को सौंपा।

साथियों, हम बीमा कर्मी एक कठिनतम हालात में बेहतरीन वेतन पुनर्निर्धारण प्राप्त करने में कामयाब हुये हैं। हमें विदित है कि उपलब्धि जितनी कठिन होगी उस पर आक्रमण की कोशिश भी उतनी ही गंभीर होगी। एक बात हमें हमेशा याद रखनी होगी कि कोई भी उपलब्धि शाश्वत नहीं होती उपलब्धि तब तक ही सुरक्षित रहेगी जब तक उस उपलब्धि को बचाये रखने की ताकत हममें रहेगी। इस परिप्रेक्ष्य में हमें इस उपलब्धि को संगठन में तब्दील करने पूरी शक्ति के साथ तमाम सांगठनिक कमियों को दूर कर सुदृढ़ बनाने में जुटना होगा। हमें विश्वास है कि मध्य क्षेत्र के साथी इन निर्णयों को सफल बनायेंगे।

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ,

आपका साथी

(बी. सान्याल)

महासचिव

मुद्रक : एक्सेल ऑफसेट प्रिन्टर्स, फूल चौक, रायपुर (छ.ग.) दूरभाष : 0771-4053295